LOK SABHA

Thursday, July 22, 1982/Asadha 31, 1904 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

पूर्वोत्तर मीटर गेज लाइन पर रेलगाड़ियों का विलम्ब से चलना

+

*203. **श्री रामलाल राही :**
श्रीमती उषा वर्मा :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि प्रशासन की निष्क्रियता और उदासीनता के कारण पूर्वोत्तर रेलवे में लखनऊ-काठगोदाम, लखनऊ-गोरखपुर और सीतापु, बुदवेल ब्रांच लाइनों पर रेल गाड़ियां निरन्तर बहुत विलम्ब से चल रही हैं जिसके परिणामस्वरूप यात्रियों को बहुत कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है; और

(ख) क्या सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि रेलगाड़ियां इतनी देर से न चलें ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MALLIKARJUN): (a) Trains on the sections referred to are not running constantly late due to inaction and indifference on the part of the administration. It is, however, a fact that the punctuality performance of trains on these sections has not been satisfactory due to law and order problems, such as, miscreant activities, alarm-chain-pulling, hose-pipe disconnections and also due to steam loco failures and bad quality of coal.

(b) Railway administration is making all efforts to improve the punctuality performance of trains on these sections by close monitoring at the zonal and divisional levels. All cases of avoidable detention are being taken up. Close coordination is also being maintained with the State Government to help in reducing incidence of alarm-chain-pulling and other miscreant activities.

श्री रामलाल राही : अध्यक्ष महोदय, 1980 से ले कर इस सरकार को चलते लगभग ढाई साल हो रहे हैं । तीन मंत्री रेल मंत्रालय को सम्भाल चुके हैं और निष्फल हो गए हैं । न तो रेलों में अपराध रुके हैं और न ही एक्सिडेंट रुक पाए हैं । शायद ही कोई गाड़ी हो, जो समय पर चलती हो । मैंने सवाल किया था कि क्या प्रशासन की निष्क्रियता और उदासीनता के कारण रेलगाड़ियां विलम्ब से चल रही हैं । मंत्री महोदय ने उससे साफ इंकार कर दिया है, लेकिन मुझे लगता है कि जवाब में "नहीं" शब्द भूल से लिखा गया है ।

अध्यक्ष महोदय : अब आप उसको सुधार दीजिए । आप सवाल कीजिये।

श्री रामलाल राही: नीचे मंत्री महोदय ने एक्सेप्ट किया है कि शरारती तत्वों की गतिविधियों, खतरे की जंजीर खींचे जाने, भाप के इंजिनों की खराबी और कोयले की खराबी आदि-आदि कारण हैं ।

पूर्वोत्तर रेलवे में एक लखनऊ-गोरखपुर रेलवे लाइन है, दूसरी लखनऊ-बरेली है, और मैलानी और काठगोदाम की लाइनें हैं । एक लाइन गोरखपुर से लखनऊ मीटरगेज थी । वह ब्राडगेज में कनवर्ट हो गई है।

अध्यक्ष महोदय : आप सवाल कीजिए ।

श्री रामलाल राही : लखनऊ-बरेली लाइन पर 51-अप और 52-डाउन गाड़ियां लखनऊ और बरेली के बीच चलती हैं । 61-अप और 62-डाउन लखनऊ और मैलानी के बीच चलती है । 159 और 160 पहले सीतापुर और मैलानी के बीच चलती थीं । अब उन्हें एक तरफ लखनऊ तक और दूसरी तरफ दुधवा तक बढ़ा दिया गया है ।

अध्यक्ष महोदय : यह सब पूछने का फायदा क्या है ? आप सवाल कीजिए ।

श्री रामलाल राही : इस लाइन पर अरसे से एक डीजल कार चलाई जा रही है । मैं जानना चाहता हूं कि क्या इन गाड़ियों में से कोई गाड़ी एक महीने के अन्दर समय से चली है । अगर कोई गाड़ी समय से चली हो, अलावा एक गाड़ी के 7-अप और 8-डाउन के, जो मेल गाड़ी है और काठगोदाम तक चलती है - - - - -

अध्यक्ष महोदय : आप सवाल पूछिए । You are just unnecessarily wasting time.

श्री रामलाल राही : मैं सवाल ही कर रहा हूं ।

अध्यक्ष महोदय : आपने बीस गाड़ियां गिनाई हैं । आपका सवाल तो यह है कि क्या कोई गाड़ी समय पर चली है ।

श्री रामलाल राही : क्या एक भी गाड़ी समय पर चली है ; अगर नहीं, तो माननीय मंत्री ने यह जो एक्सेप्ट किया है कि कोयले की खराबी और जंजीर खींचे जाने के कारण गाड़ियां समय पर नहीं चल रही हैं, क्या उसमें कोई सुधार लाने की कोशिश की गई है । क्या वह यह भी आश्वासन देंगे कि.....

MR. SPEAKER: You are unnecessarily wasting the time. I will disallow it.

श्री रामलाल राही : क्या भविष्य में गाड़ियां समय पर चलेंगी ?

अध्यक्ष महोदय : आपने सारा मन्तव्य ही खत्म कर दिया है ।

श्री मल्लिकार्जुन : मान्यवर, इन कारणों से ही ट्रेन्ज समय पर नहीं चल पाई । हमने यह भी कबूल किया है कि गलत कोयले की सप्लाई और लोकोमोटिव्ज की फेल्युर भी इसके कारण हैं ।

अध्यक्ष महोदय : आपने देख लिया कि कोयले के मंत्री यहां पर नहीं हैं ।

श्री मल्लिकार्जुन : इसमें एक बहुत बड़ा कारण यह है कि समस्तीपुर-बाराबंकी छोटी लाइन के बड़ी लाइन में परिवर्तन के कारण, जो लोको शेड्ज में हम एक दिन पहले ले जा सकते थे, आज उसमें कुछ दिक्कत हो रही है । इन सैक्शनों पर इन कारणों से गाड़ियां समय पर नहीं चलती हैं, जैसे लखनऊ-मैलानी, लखनऊ-बरेली, लखनऊ-काठगोदाम में । सरकार इन कठिनाइयों को जल्दी हल करना चाहती है । बड़े अफसरों को इन लाइनों पर भेज कर इन कठिनाइयों को दूर करने का पूरा यत्न किया जा रहा है । मुझे उम्मीद है कि भविष्य में रेलों को समय पर पहुंचाना संभव होगा और यात्रियों को दिक्कत नहीं होगी।

श्री रामलाल राही : मंत्री महोदय को संभवतः यह जानकारी होगी कि पहले मीटर-गेज पर एक डीजल-कार लखनऊ से सीतापुर चलती थी, जो कि मेल ट्रेन थी । एक मैलानी एक्सप्रेस कहलाती है । इन दोनों गाड़ियों पर किराया मेल ट्रेन का लिया जाता है। लेकिन अब यह हर स्टेशन पर रुकती है। जब यह मेल ट्रेन कर के चलाई जाती थी, तो उस समय सारे यात्रियों को सुविधा थी। जो जल्दी जाना चाहता था या समय बचाना चाहता था, उसके लिए सुविधा थी । अब इनको हर स्टेशन पर रोका जा रहा है और किराया वही मेल ट्रेन का लिया जा रहा है। मैं यह जानना चाहूंगा कि क्या इस किराए में भी आप सुधार करेंगे ? पहले जो मेल ट्रेन चलती थी, क्या अब पैसेन्जर ट्रेन की तरह चलने वाली ट्रेन के समय में सुधार करेंगे और उसे मेल ट्रेन में कन्वर्ट करेंगे?

श्री मल्लिकार्जुन: इस तरह का कोई सोच-विचार इस समय सरकार के सामने नहीं है ।

श्रीमती उषा वर्मा : मैंने कई बार कहा कि इस ट्रेन पर कोई भी सुधार नहीं हुआ

है । मैलानी स्टेशन पर जो वर्कशाप बना हुआ है, उसकी जांच करने के सम्बन्ध में मैंने एक सुझाव दिया था, मैं जानना चाहती हूं कि उस सम्बन्ध में आपने क्या कार्यवाही की है ?

श्री मल्लिकार्जुन : वर्कशाप से इस प्रश्न का कोई सम्बन्ध नहीं है ।

श्री कृष्ण चन्द्र पांडे : अध्यक्ष महोदय, जो जवाब दिया गया है कि शरारती तत्वों ने चेन खींच दी, इस नाते ट्रेन लेट चल रही है, यह रेलवे बोर्ड का साधारण-सा नुस्खा है कि यह बता दिया जाये तो सारे सवाल खत्म हो जाएं । वास्तविकता यह नहीं है ।

रेलवे की कंसल्टेटिव कमेटी में मांग की गई थी कि एन. ई. रेलवे को नए इंजन और नई बोगियां दी जाएं, लेकिन इस बारे में अभी तक कुछ नहीं हुआ । पूर्वोत्तर रेलवे के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है । मैं मंत्री जी से स्पष्ट जानना चाहता हूं कि अप्रैल, मई और जून में गोरखपुर, लखनऊ प्रखंड, में जो ट्रेनें चली हैं, वह कितने प्रतिशत समय से चली हैं और जो समय से नहीं चलीं उनका कारण क्या है ? क्या यह सच नहीं है कि पूर्वोत्तर रेलवे में जो भी इंजन और बोगियां हैं, वह पुराने हैं ? क्या मंत्री जी इसका स्पष्ट उत्तर देंगे ?

श्री मल्लिकार्जुन : माननीय सदस्य का यह सवाल जो सौतेली मां की तरह देखने का है, वह गलत है । जैसा माननीय सदस्य ने बताया पूर्वोत्तर रेलवे में कुछ इंजन व कुछ कोचेज ठीक नहीं है, यह यथार्थ है । इस विषय में सरकार सोचेगी । अभी 4 डीजल इन्जन मीटर गेज के लिए दिए गए हैं । कोचेज का प्रबन्ध करने का विचार है ।

अध्यक्ष महोदय : पूरा प्रबन्ध कर के चलवाएं ।

बम्बई-नई दिल्ली और इंदौर-नई दिल्ली के यात्रियों को सुविधाएं

*205. **श्री सत्यनारायण जटिया** : क्या रेल मंत्री निम्नलिखित जानकारी दर्शाने वाला विवरण सभा-पटल पर रखने की कृपा करेंगे कि ;

(क) क्या पश्चिम रेलवे के अन्तर्गत बम्बई-नई दिल्ली और इंदौर-नई दिल्ली बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को रेल यात्रा के लए अधिक सुविधाएं दी गई हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या वर्ष 1982-83 के दौरान अधिक सुविधाएं देने के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MALLIKARJUN): (a) to (d). While there is no specific target for additional facilities in 1982-83, it is constantly the endeavour to improve facilities for rail travel on the Railways as a whole. A major step in this direction has been the double-heading of Rajdhani Express between Bombay and Delhi. Similar load increase will be possible on the Rajdhani Express between Calcutta and Delhi when the new electric locomotive, manufactured for this purpose, is put into regular service on this train after completion of trials. The output of this locomotive will be equal to the output of double headed diesel locomotive on the non-electrified route between Bombay and Delhi. Slip coaches have been provided between Indore and Delhi to provide facility of travel between the two cities, without transhipment. There are several slip coaches running between different cities in India.

MR. SPEAKER: I am impressed that you are going like Rajdhani Express.

श्री सत्य नारायण जटिया: माननीय मंत्री ने अपने उत्तर में बताया है कि राजधानी एक्सप्रेस में दो इंजन लगाकर उसकी क्षमता बढ़ा दी है, लेकिन राजधानी एक्सप्रेस से सामान्य लोगों को यात्रा की सुविधा प्रायः नहीं हो सकती है । सामान्य गाड़ी दिल्ली-